RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : मंगलवार 23 जनवरी 2024 | वर्ष 05 | अंक 272 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक

रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई की बकाया 400 किमी सड़कों को सीमेंटेड करने जल्द निकलेगा टेंडर

बीएमसी करीब 7000 करोड़ रुपये करेगी खर्च

पूरी मुंबई की सड़के हो जाएगी सीमेंट कंक्रीट गढ्ढे से मिलेगी निजात...

मुंबई : मुंबई की सड़कों को सीमेंटेड करने की धीमी रफ़्तार के बीच बीएमसी बाकी 400 किमी लंबी सड़कों को सीमेंटेड करने के लिए जल्द ही टेंडर जारी करेगी। इस पर करीब 7000 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। लोकसभा चुनाव 2024 की घोषणा से पहले इस प्रोजेक्ट का भूमि पूजन हो सकता है। वर्ष 2022 में 400 किमी लंबी सड़कों को सीमेंटेड करने के लिए बीएमसी ने 6078 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया था। जिसका काम काफी धीमी गति से चल रहा है।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बीएमसी ने मुंबई की सड़कों को पूरी तरह से सीमेंटेड करने का बीड़ा उठाया है। बीएमसी के अडिशनल कमिश्नर पी वेलरासू ने कहा कि हमारी कोशिश है कि सड़कों को सीमेंटेड करने के काम में तेजी आए। इसके लिए हम लगातार अधिकारियों और ठेकेदारों के साथ बैठक कर रहे हैं। मुंबई में 2050 किमी लंबी सड़कों में से यही 400 किमी लंबी सड़कें रह गई हैं जिसका अभी तक टेंडर नहीं हुआ था। हमारी कोशिश है कि पुराने काम के साथ सड़कों को सीमेंटेड करने का नया काम भी चलता रहे। इसके लिए टेंडर ड्रॉफ्ट तैयार कर लिया गया है, अगले दो से तीन सप्ताह में टेंडर जारी कर दिया जाएगा।

इस तरह हो रहा सड़कों को सीमेंटेड करने का काम :

मुंबई में कुल मिलाकर लगभग 2050 किमी लंबी सड़कें हैं, इनमें से 50 प्रतिशत से अधिक सड़कें सीमेंटेड हो चुकी हैं। बीएमसी ने वर्ष 2021-22 में 236 किमी लंबी सड़कों को सीमेंटेड करने के लिए बीएमसी ने 2200 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। इन कार्यों को बीएमसी ने मार्च 2022 से पहले मंजूरी दे दी गई थी। लेकिन इन सड़कों को सीमेंटेड करने का काम अक्टूबर 2022 से प्रारंभ किए गए यह कार्य अभी भी जारी हैं। राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने जून 2022 में बीएमसी कमिश्नर आई. एस. चहल से सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के लिए योजना बनाने का निर्देश दिया। नवंबर 2022 में बीएमसी ने करीब 400 किमी लंबी सड़कों को सीमेंटेड करने के लिए 6,078 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया। इसमें 910 सड़कों के काम के लिए 5 ठेकेदारों को ठेका दिया गया। जनवरी 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन कार्यों का भूमिपूजन किया। जनवरी 2023 में इन सड़कों को सीमेंटेड करने का वर्क ऑर्डर भी जारी कर दिया गया। पूर्व और पश्चिम उपनगर की सड़कों का काम अक्टूबर 2023 से शुरू हो गया ,लेकिन मुंबई सिटी का काम अब भी नहीं शुरू हो पाया है और मामला मुंबई हाई कोर्ट में लंबित है।

मुंबई में कुल सडकों की लंबाई : 2050 किमी

1. वर्ष 2022 से पहले मुंबई में करीब 990 किमी. सड़कें सीमेंटेड हुई थीं।
2. जनवरी 2022 से मई 2023 के बीच कुल 158 किमी सड़कों को सीमेंटेड किया गया।
3. मुंबई में अब तक कुल 1148 कि.मी. लंबी सड़कें सीमेंटेड हुई हहैं।
4. वर्ष 2023-24 में 400 किमी सड़कों के लिए ठेका दिया गया।
5. वर्ष 2024-25 में बाकी 400 किमी सड़कों को सीमेंटेड करने ठेका दिया जाएगा।

एकनाथ शिंदे ग्रुप को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा झटका!

नार्वेकर का 'वो' नतीजा बनेगा सिरदर्द?

महाराष्ट्र : शिंदे और ठाकरे दोनों गुटों द्वारा एक-दूसरे के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने खारिज कर दिया। जून 2022 में जब प्रतिद्वंद्वी समूह उभरे, तो विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि विधानसभा में उनके बहुमत (विधायकों के बहुमत) के आधार पर शिंदे समूह ही 'असली' शिवसेना है। शिंदे द्वारा नियुक्त व्हिप को राहुल नार्वेकर ने भी आधिकारिक व्हिप के रूप में अनुमोदित किया था। उन्होंने कहा कि शिवसेना पार्टी और शिंदे गुट के विधायकों ने व्हिप का उल्लंघन नहीं किया है. इस फैसले को ठाकरे समूह ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है.

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के विधायकों के समूह के खिलाफ अयोग्यता याचिका को खारिज करने के राहुल नार्वेकर के आदेश को चुनौती देने वाली शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट द्वारा दायर याचिका पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनके समूह के अन्य विधायकों को नोटिस जारी किया है। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने दसवीं अनुसूची के तहत शिवसेना (एकनाथ शिंदे) विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आज (सोमवार 22 जनवरी) शिव सेना उद्धव ठाकरे की याचिका पर नोटिस जारी किया है.

मुंबई में निकली थी धार्मिक रैली, 'जय श्री राम' के नारे लगे, पटाखे फोड़ने पर दो गुटों में झड़प... 13 अरेस्ट

महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी- फडणवीस

ठाणे : अयोध्या के राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा से एक रात पहले महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दो पक्षों के बीच झड़प हो गई. बताया गया कि मुंबई से सटे मीरा भायंदर इलाके में 21 जनवरी की रात गाड़ियों की एक रैली निकाली गई थी. रैली में शामिल लोगों पर कथित तौर पर हमला किया गया. महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अगले दिन 22 जनवरी को इस मामले पर लिए गए एक्शन की जानकारी दी. उन्होंने बताया कि अब तक 13 लोगों को हिरासत में लिया गया है.

रिपोर्ट के मुताबिक दो गुटों के बीच झड़प की घटना 21 जनवरी की रात करीब साढ़े 10 बजे की है. मीरा भायंदर इलाके में कुछ लोगों ने गाड़ियों की एक धार्मिक रैली निकाली थी. गाड़ियों पर 'जय श्री राम' वाला भगवा झंडा लगा हुआ था. रैली में शामिल लोग राम नाम के नारे लगा रहे थे. लेकिन, जब उनमें से कुछ लोगों ने पटाखे फोड़े, तो इलाके के कई लोग अपने घरों से बाहर आ गए. आरोप है कि उन लोगों ने रैली निकाल रहे लोगों पर हमला किया, उन्हें लाठियों से पीटा. पुलिस ने झड़प की जानकारी मिलते ही एक्शन लिया. घटनास्थल पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया. हमलावरों के खिलाफ नया नगर पुलिस स्टेशन में केस दर्ज हुआ है.

डिप्टी उप मुख्यमंत्री फडणवीस का ट्वीट

इस मामले पर अब तक क्या किया गया है, इस बारे में महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने पर बताया है. उन्होंने ट्वीट किया कि मीरा भायंदर के नया नगर में जो कुछ हुआ, उसके बारे में उन्होंने विस्तृत जानकारी ली है. उन्होंने आगे लिखा, ''पुलिस को दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है. इसमें शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए CCTV फुटेज की मदद ली जा रही है.' फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी. कानून हाथ में लेने वालों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस रहेगा.

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

हर मुद्दे में राम

अयोध्या में राम के चरण पूरे देश के भ्रमण में आस्था के कई महाकुंभ और प्रतीकात्मक बिंदुओं पर बदलते अंदाज की कहानी बयां कर रहे हैं। जश्न मनाती टोलियों का हुलिया यह हवाला दे गया कि देश किस दिशा में सोच रहा है। बहता हुआ एक रास्ता मिल गया, हम तो निकले थे तेरे दीदार में। राम के दर्शन का मायावी स्वरूप और जयघोष के उन्मादी रूप में जिंदगी भाग निकली, बाहर निकली। यह जश्न इतिहास को गांव की दहलीज तक और राष्ट्र के विषयों को लगभग खारिज करके सोच रहा है कि धर्म के रास्ते जन्नत की तस्वीर उभर आई है। एक पल के लिए देश के सारे मुद्दे गौण और पीड़ा के सारे कान बंद हैं, सिर्फ शंखनाद है या तिलिस्म जिसने देश को व्यस्त कर दिया। हिमाचल से या हिमाचल की आस्था सोमवार के दिन जमीन मापती हुई दूर निकल गई ताकि खबर हो कि किसने पटका बांधा, किसने लंगर लगाया। वैसे यह अद्भुत छुट्टी थी जिसकी रचना कांग्रेस सरकार ने की। ऐसे में राम किसी एक के नहीं हो सकते, लेकिन इवेंट तो हो सकता है और यह हुआ यूं ही नहीं। पिछले कई दिनों से हिमाचल की गलियां कानाफूसी कर रही थीं।

राम के सेवक दौड़ रहे थे, तो घर-घर अक्षत पहुंच कर संदेश दे रहे थे। ऐसे में राष्ट्रीय निमंत्रण पत्रों पर उठे विवाद ने कांग्रेस को कोने पर पहुंचा दिया, लेकिन अगर मुद्दे में राम को देखेंगे, तो कहीं राजीव गांधी व नरसिम्हा राव भी नज़र आएंगे। मुद्दे में राम ने कभी शांता कुमार की सरकार छीन ली थी, तो पालमपुर अधिवेशन में पार्टी ने ह्यमंदिर अयोध्या में बनाएंगेह्न, का उद्घोष चुना था। इसलिए पालमपुर में शांता कुमार के लिए राम की गाथा में उनकी नीतियों का रामराज्य बोल रहा है। यह वह दौर था जब भाजपा अपने सिद्धांत पर सर्वोपरि थी, भले ही सत्ता रहे या दोबारा न मिले। अब जबकि अयोध्या में राम की राजनीतिक उपासना को अलग करके नहीं देखा जा सकता, भाजपा इस धार्मिक धरोहर और उत्सव की वारिस होने के सारे प्रमाण देश भर में जुटा रही है। कहना न होगा कि जिस तरह समारोह का शृंगार हुआ और इसका मंचन नागरिक समाज तक हुआ, उससे जाग्रत भावनाएं उद्घोष कर रही हैं। कल अगर यही उद्घोष चुनावी उद्घोष बन गया, तो वर्तमान सियासी स्थिति में ही उफान आएगा, वरना देश का मूड अब इस फुर्सत में नहीं कि देश की कोई अन्य चर्चा शुरू की जाए। अगर हिमाचल सरकार प्रदेश का एक दिन राम के निमित कर रही है, तो जाहिर है मंदिर की व्याख्या में सुशासन बदल रहा है। उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री के अनुसार पूरा मंत्रिमंडल अयोध्या दर्शन करेगा, जबकि सरकारी बसों ने अयोध्या के रूट चुन लिए हैं। पहली बस सेवा नालागढ़ से शुरू भी हो गई है। इसी रूट पर हिमाचल के मंत्री विक्रमादित्य सिंह और सुधीर शर्मा पहले ही रामलला के दरबार में आशीर्वाद लेने पहुंचे हैं। देखना यह होगा कि ये दोनों कांग्रेसी दिग्गज लौटते हुए अयोध्या से क्या पैगाम लाते हैं। कुल मिला कर राम की आराधना में देश और देश की आराधना में राजनीति भी अवतार स्वरूप व्यवहार कर रही है, इसीलिए उद्घाटन दरअसल प्रस्फुटन है देश के भविष्य में सियासत व धर्म के गठजोड़ का। वहां एक हाथ धर्म का है, तो दूसरा राजनीति का। बहरहाल राम मंदिर ने भले ही वर्षों अपने ऊपर विवादों की पपड़ी देखी होगी, लेकिन उल्लास की नगरी बनी अयोध्या अब एक नई शुरूआत है समाज, समाज के व्यवहार, समाज के आचरण में देश और देश के आचरण में समाज को देखने की। एक वक्त था जब भारत अपनी सरहद से समाज को संबोधित करता था और जब उद्घोष में ह्यजय जवान, जय किसानह्न का नारा लगता था। लाल बहादुर शास्त्री के दौर में आर्थिक व खाद्यान्न संकट से जूझते देश ने सप्ताह में एक दिन व्रत शुरू कर दिया था।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

बिल्डर से वसूली की कोशिश... चार आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों को पुलिस हिरासत

मुंबई : मुंबई के प्रसिद्ध डेवलपर्स से वसूली करने के मामले में रियल एस्टेट और शेयर बाजार से जुड़े हुए गिरफ्तार किए गए चार आरोपियों को अदालत ने पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरोपियों में से एक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का अधिकारी बनकर फोन किया और 164 करोड़ रुपये मांगे और न देने पर ईडी के मामलों में फंसाने की धमकी दी। अपराध शाखा मामले की अधिक जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रियल एस्टेट और शेयर बाजार से जुड़े चार व्यक्तियों को मुंबई पुलिस की अपराध शाखा यूनिट 9 ने कथित तौर पर मुंबई के एक डेवलपर से

164 करोड़ रुपये की धमकी देने और जबरन वसूली करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने खुलासा किया कि आरोपियों में से एक ने बड़ी रकम का भुगतान नहीं करने पर बिल्डर को प्रवर्तन निदेशालय के मामले में फंसाने की धमकी दी थी। गिरफ्तार किये गए आरोपियों में राजेंद्र सिरसट, राजेश केडिया, कल्पेश भोसले और अबरीश दुबे का नाम शामिल हैं। जानकारी के मुताबिक ये सभी आरोपी रियल एस्टेट से जुड़े हुए हैं, जबकि पांचवां आरोपी संदीप ताड़गे शेयर बाजार में काम करता है।इसके अलावा सतीश धानुका को भी मामले में आरोपी बनाया गया है। उसकी तलाश पुलिस कर रही है। पुलिस ने मामले के संबंध में दो और भी संदिग्धों की पहचान की है और उनकी तलाश कर रही है।

शिकायत में ओमकार बिल्डर के डायरेक्टर में से एक ताराचंद वर्मा ने कहा है कि सकतिष धनुका नामक शख्स ने 164 करोड़ रुपये की मांग की कर कहा कि तुमने बहुत पैसे कमाया है एफएसआई ज्यादा मिला है। इसपकर वर्मा ने कहा कि हमारे बीच हुआ एग्रीमेंट रद्द हो गया था तो पैसक कैसा। इसे लेकर धनुका और उसने साथ मौंउद लोगों ने परिवार का एक्सीडेंट ककरने की धमकी भी दी। शिकायत में यह भी कहा गया है कि घटना का खुलासा तब हुआ जब आरोपी ने 6 जनवरी को पीड़ित से संपर्क कर पैसे की मांग की।

कोयला घोटाला: अदालत ने महाराष्ट्र की कंपनी के अधिकारियों को सजा सुनाई

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने 2005 में महाराष्ट्र में तीन कोयला ब्लॉक के आवंटन की मांग के दौरान घोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश रचने के लिये राज्य की एक कंपनी के एक पूर्व अधिकारी को सोमवार को चार साल की सजा सुनाई गई। अदालत ने कहा कि इससे ''देश को बहुत बड़ी क्षति हुई।'' विशेष न्यायाधीश संजय बंसल ने 'टॉपवर्थ ऊर्जा एंड मेटल्स लिमिटेड' के पूर्व अधिकारी आनंद नंद किशोर सारदा को चार साल की सजा सुनाने के साथ ही उन्हें एक करोड़ रुपये का जुमार्ना भरने के लिए भी कहा।

न्यायाधीश ने मामले में कंपनी के दो अन्य पूर्व पदाधिकारियों- अनिल कुमार सक्सेना और मनोज माहेश्वरी को भी तीन साल की सजा सुनाई। यह मामला महाराष्ट्र के उमरेड जिले में इस कंपनी को मार्की मांगली-द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ कोयला ब्लॉक के आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। दोषियों ने परिवीक्षा पर रिहाई की मांग को लेकर याचिका दायर की थी, जिसे न्यायाधीश ने यह कहते हुए खारिज कर दिया कि परिवीक्षा का लाभ देने के लिए यह उपयुक्त मामला नहीं है। न्यायाधीश ने कहा, ''मौजूदा मामला एक कोयला ब्लॉक आवंटन से जुड़ा है। दोषियों ने भारत सरकार के साथ धोखाधड़ी कर उक्त ब्लॉक प्राप्त किये थे। अतिरिक्त कानूनी सलाहकार (एएलए) का यह कहना सही है कि देश को इससे बहुत बड़ी क्षति हुई।'' न्यायधीश ने सारदा को जेल भेज दिया, जबकि सक्सेना और माहेश्वरी की सजा को 45 दिन के लिए निलंबित कर दिया ताकि वे अपनी सजा के फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती दे सकें।

सर्द मौसम जारी रहने की संभावना, मंडरा रहा बेमौसम बारिश का खतरा!

मुंबई: उत्तर भारत के साथ-साथ महाराष्ट्र में भी कड़ाके की ठंड का प्रकोप देखने को मिल रहा है। मुंबई, पुणे में भी ठंड का जोर देखने को मिल रहा है। इस बीच, राज्य में एक बार फिर बेमौसम बारिश का संकट खड़ा हो गया है। मौसम विभाग (आईएमडी) ने राज्य के कई हिस्सों में बेमौसम बारिश की चेतावनी दी है।

देश और प्रदेश में ठंड का कहर देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत में शीतलहर चल रही है। महाराष्ट्र में भी ठंड का जोर देखने को मिल रहा है। आज जलगांव में न्यूनतम तापमान 10.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, पुणे, नासिक और औरंगाबाद में पारा पारा 12 डिग्री तक लुढ़का। कोंकण के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में आगामी दिनों में भी ठंड का जोर महसूस होगा।

उत्तर से आने वाली ठंडी हवाएं प्रदेश में सर्दी के लिए पोषक बन रही हैं। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले दो दिनों में मध्य महाराष्ट्र और

मराठवाड़ा में तापमान दो से तीन डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है। पिछले दो दिनों में मुंबई और ठाणे में तापमान में बड़ी गिरावट आई है। आज मुंबई के सांताक्रूज में न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मुंबई में जनवरी के आखिरी में एक बार फिर सर्दी बढ़ने की संभावना है।

उधर, मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान के मुताबिक, राज्य के विदर्भ और मराठवाड़ा के कई इलाकों में बेमौसम बारिश की संभावना है। अगले कुछ दिनों में नांदेड, लातूर, भंडारा, चंद्रपुर, गडचिरोली और गोंदिया क्षेत्र में बारिश होने की संभावना है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। बेमौसम बारिश से रबी फसलों को नुकसान होने की आशंका है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा, महाराष्ट्र में 'मुहूर्त डिलीवरी' में बालक ने लिया जन्म

मुंबई: अयोध्या नगरी सोमवार, 22 जनवरी 2024 को ऐतिहासिक पलों की गवाह बनी जब रामलला की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा सामरोह शुभ मुहूर्त में संपन्न हुआ। उधर इसी शुभ मुहूर्त में 42 वर्षीय एक महिला ने सोमवार को महाराष्ट्र के ठाणे शहर के एक अस्पताल में एक बच्चे को जन्म दिया, जिसे पहली मुहूर्त डिलीवरी कहा जा रहा है। इस शुभ मुहूर्त में बालक ने जन्म लिया है। डॉक्टरों ने उस दिन 'मुहूर्त प्रसव' के महिला के अनुरोध पर सहमति व्यक्त की थी, जिस दिन अयोध्या मंदिर में नई राम लला की मूर्ति की प्रतिष्ठा की गई थी।

ठाणे के अस्पताल के डॉ. चंद्रकांत बरुरे ने

बताया कि महिला, जो अच्छी तरह से शिक्षित है और आईटी क्षेत्र में काम करती है, ने अनुरोध किया था कि उसकी डिलीवरी, जो 23 जनवरी को होने वाली थी, एक दिन पहले कर दी जाए ताकि यह शुभ अवसर हो सके।

जानकारी के मुताबिक योजनाबद्ध सिजेरियन डिलीवरी करने वाले डॉ. बारुरे ने कहा कि महिला, समृद्धि बामने, जो ठाणे की रहने वाली है, इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया के लिए नहीं गई थी, लेकिन उसने स्वाभाविक रूप से बच्चे का गर्भ धारण किया था। डॉक्टर ने बताया कि बच्चे का जन्म ठाणे के नौपाड़ा इलाके में स्थित अस्पताल में दोपहर 12.30 बजे हुआ। उन्होंने बताया कि मां और बच्चा ठीक हैं। 22 जनवरी की तिथि के दिन देश के कई अस्पतालों में महिलाएं इसी शुभ मुहूर्त में बच्चे को जन्म देने की गुहार लगा रही थीं।

ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में उद्धव गुट के विधायक को नया समन जारी किया

मुंबई : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार को यहां अपने कार्यालय में उद्धव गुट के विधायक और पूर्व मंत्री रवींद्र वायकर को नया समन जारी किया है। एक अधिकारी ने कहा, जोगेश्वरी में एक निमार्णाधीन लक्जरी होटल। ईडी ने कहा, ''उद्धव गुट के विधायक और पूर्व मंत्री रवींद्र वायकर को जोगेश्वरी में एक निमार्णाधीन लक्जरी होटल से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मंगलवार, 23 जनवरी को ईडी के सामने पेश होने के लिए फिर से बुलाया गया है ह्व ईडी के एक अधिकारी ने कहा कि रवींद्र वायकर 17 जनवरी को अपना बयान दर्ज कराने के लिए ईडी के सामने पेश नहीं हुए और उन्होंने एक महीने की छूट का अनुरोध किया था।

इससे पहले, प्रवर्तन निदेशालय ने जोगेश्वरी में एक लक्जरी होटल के निर्माण से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवसेना (उद्धव गुट) नेता और विधायक रवींद्र वायकर और उनके सहयोगियों से संबंधित सात स्थानों पर छापे मारे थे, एजेंसी ने मंगलवार को कहा। यह मामला कथित तौर पर भूमि उपयोग की शर्तों में हेरफेर करके जोगेश्वरी में एक स्टार होटल के निर्माण से संबंधित है। ईडी ने इससे पहले नवंबर में '500 करोड़ रुपये के 5-स्टार होटल घोटाले' में वायकर के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था। वाईकर पर बीएमसी खेल के मैदान के लिए आरक्षित भूखंड पर पांच सितारा होटल बनाने की अनुमति प्राप्त करके बीएमसी को 500 करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप है। वायकर महाराष्ट्र विधान सभा के सदस्य हैं, जो जोगेश्वरी पूर्व विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वायकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे के करीबी सहयोगी हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को असम के मंदिर में जाने से रोका गया, बोले- "मेरा गुनाह क्या है?

मुंबई : कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा पर हैं, असम में यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता ने आज आरोप लगाया कि असम में अधिकारी उन्हें मंदिर में जाने से रोक रहे हैं. वो बटाद्रवा सत्र मंदिर में जाना चाहते थे, मगर अधिकारी उन्हें प्रवेश करने की अनुमति नहीं दे रहे हैं. कांग्रेस नेता ने कहा कि मैंने कोई गुनाह नहीं किया है, फिर हमें मंदिर में जाने से क्यों रोका जा रहा है. उन्होंने कहा कि ''हम कोई समस्या पैदा नहीं करना चाहते, हम बस मंदिर में प्रार्थना करना चाहते हैं.ह्व

कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याया यात्रा इस वक्त असम से गुजर रही है. कांग्रेस नेता राहुल गांधी असम के वैष्णव विद्वान श्रीमंत शंकरदेव के जन्मस्थान पर पूजा-अर्चना करने के लिए जाने वाले थे, लेकिन जैसे ही वे वहां पहुंचे उन्हें मंदिर जाने से रोक दिया गया. इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था. राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए असम की सीएम ने निवेदन की थी.

ठाणे में बिल्डर की हत्या मामले में चार लोगों को उम्रकैद

ठाणेः महाराष्ट्र के ठाणे जिले की एक अदालत ने 2015 में एक बिल्डर की हत्या के मामले में चार लोगों को उम्रकैद की सजा सुनायी है. कल्याण के जिला न्यायाधीश और अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पी आर अश्तुरकर ने

17 जनवरी को दिए आदेश में चार लोगों को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या), 120बी (आपराधिक साजिश) और 201 (सबूत नष्ट करना) समेत विभिन्न अपराधों में दोषी ठहराया. इस आदेश की प्रति शनिवार को उपलब्ध हुई है.

अभियोजन के अनुसार, यहां डोम्बिववली शहर के दावड़ी गांव के बिल्डर गणेश मानिया चह्वाण (36) ने एक आरोपी संतोष चह्वाण को दो लाख रुपये उधार दिए थे और वह कर्ज चुकाने से टालमटोल कर रहा था. छब्बीस सितंबर 2015 को बिल्डर दावड़ी गांव में एक अस्पताल के समीप अपने दोस्तों से बात कर रहा था, तभी संतोष और अन्य लोगों ने हथियारों के साथ उस पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गयी.मामले में कुल सात लोगों को आरोपी बनाया गया था. अदालत ने उनमें से चार को दोषी ठहराया, जिसमें दो भाई संतोष भीमसिंह चह्वाण (34), कुमार भीमसिंह चह्वाण (42), रमेश उर्फ दत्तू गोपाल पवार (40) और स्वप्निल उत्तम पदवाल (32) शामिल हैं. अदालत ने इनमें से प्रत्येक पर 14,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है. एक ऑटो-रिक्शा चालक, जो इस मामले में भी आरोपी था, उसको बरी कर दिया गया, क्योंकि अदालत ने उसे संदेह का लाभ दिया. दो अन्य आरोपियों में से एक घटना के बाद से फरार है, जबकि दूसरा, जो अस्थायी जमानत पर रिहा हुआ था, लापता है. अतिरिक्त लोक अभियोजक कादंबिनी खंडागले ने कहा कि आरोपियों के खिलाफ आरोप स्थापित करने के लिए अभियोजन पक्ष के 21 गवाहों से पूछताछ की गई.

12 साल की विकलांग बच्ची से बलात्कार, आरोपी को मिली सजा

ठाणेः यह देखते हुए कि ''अपराध बेहद गंभीर प्रकृति का है'', बॉम्बे हाई कोर्ट ने एक दिव्यांग लड़की से बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने के आरोपी व्यक्ति की जमानत याचिका खारिज कर दी है, जो कथित अपराध के समय 12 साल की थी। न्यायमूर्ति माधव जामदार ने 17 जनवरी को उस व्यक्ति की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी कि उसका आपराधिक इतिहास है और उसके खिलाफ डकैती के 11 मामले दर्ज हैं।एचसी आरोपी व्यक्ति द्वारा दायर एक अपील पर सुनवाई कर रहा था

अदालत ने उनके इस दावे पर भी विश्वास नहीं किया कि कथित घटना के समय वह जेल में थे। उच्च न्यायालय उस व्यक्ति द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उसने सत्र न्यायालय द्वारा उसकी जमानत याचिका खारिज करने के फैसले को चुनौती दी थी।सितंबर 2022 को, पुणे के वालचंदनगर पुलिस स्टेशन ने उस व्यक्ति के खिलाफ अपहरण, एक नाबालिग लड़की की खरीद-फरोख्त, बलात्कार, उकसावे, आपराधिक धमकी और यौन

अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (ढडउरड) की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। अभियोजन पक्ष के अनुसार, 27 वर्षीय व्यक्ति ने कथित तौर पर लड़की के साथ बलात्कार किया और उसे धमकी दी कि उसके माता-पिता को जेल भेज दिया जाएगा। उसने कथित तौर पर अपने दोस्त से भी बलात्कार कराया।

उस व्यक्ति की ओर से पेश वकील अनविल कालेकर ने कहा कि जब पीड़िता की मां ने सितंबर 2022 में शिकायत दर्ज कराई, तो वह पहले से ही एक अन्य मामले में हिरासत में था। इसलिए, उसके कथित अपराध में शामिल होने का कोई सवाल ही नहीं था।उन्हें 15 सितंबर, 2022 को गिरफ्तार किया गया था। राज्य की वकील वीरा शिंदे ने जमानत का विरोध करते हुए कहा कि मां को सितंबर 2022 में बलात्कार के बारे में पता चला। हालांकि, घटनाएं 2021 की दिवाली के आसपास, अक्टूबर-नवंबर 2021 के आसपास हुई थीं।

न्यायमूर्ति जामदार ने कहा कि 14 सितंबर, 2022 की सोनोग्राफी रिपोर्ट में एक जीवित अंतर्गर्भाशयी भ्रूण की औसत गर्भकालीन आयु 26 सप्ताह, प्लस या माइनस दो सप्ताह दिखाई गई। इससे संकेत मिलता है कि बलात्कार की घटना, जिसके परिणामस्वरूप लड़की गर्भवती हुई, सितंबर 2022 से बहुत पहले हुई थी।न्यायमूर्ति जामदार ने कहा, ''इस प्रकार, इस तर्क में कोई दम नहीं है कि जब घटना घटी, (आरोपी) पहले से ही किसी अन्य मामले में जेल में बंद था।ह्व ''यह भी ध्यान दिया जाना चाहिए कि उसके कई पूर्ववृत्त हैं। उसके खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 393 (डकैती) के तहत कुल 11 मामले दर्ज हैं।ह्वहाई कोर्ट ने सेशन कोर्ट को सुनवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

नवी मुंबई ब्रिज पर अनियंत्रित हुई तेज रफ्तार कार, रेलिंग से टकराई.. कई बार पलटी

मुंबईः नवी मुंबई ब्रिज पर एक कार एक्सीडेंट का वीडियो सामने आया है. इस हादसे के दौरान पुल पर एक कार तेजी से घूमती हुई उसकी रेलिंग से टकरा गई और फिर रुकने से पहले कई बार पलट गई. इस हादसे का पूरा वीडियो पीछे चल रही एक कार में लगे

डैशकैम में रिकॉर्ड हो गया. दुर्घटना के समय चिरले (रायगढ़ जिले के उरण तालुका का एक गांव) जा रही कार में दो महिलाएं और बच्चे सवार थे. सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं. पुलिस ने कहा कि गाड़ी चला रही महिला ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और कार डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई. अधिकारियों ने कहा कि यह भारत के सबसे लंबे समुद्री पुल पर पहली दुर्घटना है, जिसे अटल बिहारी वाजपेयी सेवरी-न्हावा शेवा अटल सेतु के नाम से जाना जाता है. अटल सेतु का लक्ष्य मुंबई मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र में कनेक्टिविटी में सुधार करना है, जिससे सेवरी और न्हावा शेवा जैसे प्रमुख स्थानों के बीच ट्रैवल में बेहद कम वक्त लगेगा. छह लेन का ट्रांस-हार्बर पुल 16.5 किमी सी-लिंक के साथ 21.8 किमी लंबा है.

जरांगे का अजित पवार पर हमला...

अजित पवार को मराठा आरक्षण पर महाराष्ट्र सरकार से सवाल करना चाहिए: जरांगे

मुंबई: मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने हजारों अन्य लोगों के साथ मिलकर महाराष्ट्र के जालना से लेकर मुंबई तक विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उनका यह प्रदर्शन अपने समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर है। मार्च के तीसरे दिन अहमदनगर जिले के एक गांव में जरांगे ने पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अजित पवार को मराठा समुदाय को आरक्षण देने में देरी को लेकर राज्य सरकार से सवाल पूछना चाहिए था।

यह प्रदर्शन जरांगे के पैतृक गांव अंतरवाली सारती गांव से 20 जनवरी को 11 बजे शुरू हुआ। सामाजिक कार्यकर्ता मांग कर रहे हैं कि राज्य में मराठाओं को कुनबी प्रमाणपत्र दिया जाए ताकि समुदाय अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का लाभ उठा सके।

उन्होंने कहा, 'अजित पवार को मराठा आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार को घेरना चाहिए था। उन्हें पूछना चाहिए था कि आरक्षण देने में देरी क्यों हुई, लेकिन इसके बजाय वह इस मुद्दे के खिलाफ बोल रहे हैं।'

गौरतलब है, अजित पवार ने पिछले साल जुलाई में अपने चाचा और एनसीपी संस्थापक शरद पवार के खिलाफ बगावत की और राज्य में एकनाथ शिंदे-भाजपा सरकार में शामिल हो गए। जरांगे ने कहा कि अगर राज्य सरकार ने उनकी रैलियों के खिलाफ बल प्रयोग करने की कोशिश की तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, 'इस आंदोलन को अब और टाला नहीं जा सकता। अपनी मांगों के लिए रैलियां करना और मार्च करना लोकतंत्र के ढांचे के भीतर आता है। मैंने मुंबई में धरना प्रदर्शन की अनुमति भी मांगी है।'

जरांगे ने यह भी कहा कि वह राज्य सरकार के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत और चर्चा करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकार को मराठा समुदाय के मुद्दों को समझना चाहिए, जो अब और अधिक जागरूक हो गए हैं।

कार्यकर्ता के सोमवार को पुणे जिले के सुपा शहर पहुंचने की उम्मीद है, जहां वह रात भर रुकेंगे। जरांगे 26 जनवरी को आरक्षण के मुद्दे पर अपनी भूख हड़ताल शुरू करने वाले हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा था कि पिछड़ा वर्ग के लिए राज्य आयोग मराठा समुदाय के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन का आकलन करने के लिए 23 जनवरी से एक सर्वेक्षण करेगा। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को युद्धस्तर पर तीन अलग-अलग पालियों में सर्वेक्षण कराने का निर्देश दिया है। यह सर्वे 23 जनवरी से 31 जनवरी के बीच किया जाएगा।

मुंबई के सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां 28 जनवरी तक रद्द!

मुंबई : अयोध्या में राम मंदिर समारोह, मनोज जारांगे-पाटिल के मार्च और गणतंत्र दिवस सहित कई प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों के कारण, मुंबई के सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां 28 जनवरी तक रद्द कर दी गई हैं। चिकित्सा अवकाश को निर्देश से छूट दी गई है।

अयोध्या में आज होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर पुलिस महकमा अलर्ट मोड पर है. संवेदनशील इलाकों में रैलियों के दौरान इंटेलिजेंस और क्राइम ब्रांच की टीमों को नागरिक सुरक्षा में तैनात किया जाएगा। पुलिस कड़ी नजर रख रही है क्योंकि शहर धार्मिक उत्साह की चपेट में है और आज कई सामूहिक दिव्य आयोजन होने वाले हैं। साथ ही गणतंत्र दिवस भी नजदीक है. इसलिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की जरूरत है। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि इस दौरान लाखों लोग मुंबई आ सकते हैं.मराठा आरक्षण की मांग को लेकर मनोज जारांगे-पाटिल का मार्च. इसलिए छुट्टी रद्द करने का फैसला लिया गया है.आदेश के मुताबिक रविवार रात से मंगलवार सुबह तक सभी कर्मियों को अपने-अपने थाने में उपस्थित रहना होगा. अगर कोई समय पर रिपोर्ट नहीं करता है तो तदनुसार कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर ढोल बजाया

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार को अयोध्या मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा किये जाने के अवसर पर ठाणे में अपनी पार्टी के कार्यकताओं के साथ ढोल बजाये। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अयोध्या में राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला के नवीन विग्रह की दोपहर साढ़े बारह बजे प्राण-प्रतिष्ठा की गई और देश-विदेश में लाखों रामभक्त इसके साक्षी बने।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान बजायी गयी मधुर ''मंगल ध्वनि'' में देशभर के 50 पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया गया। अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद, शिंदे और उनकी पार्टी (शिवसेना) के कार्यकर्ता मुंबई के पड़ोसी ठाणे शहर में कपिनेश्वर मंदिर के पास खुले स्थान पर एकत्र हुए। वहां मुख्यमंत्री ने इस अवसर के उपलक्ष्य में ढोल बजाये।

बाद में, संवाददाताओं से बात करते हुए शिंदे ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनाने का 500 साल का सपना अंततः सच हो गया। शिंदे ने कहा, ''यह बालासाहेब ठाकरे और लाखों राम भक्तों का सपना था। कारसेवा के दौरान आनंद दीघे (शिंदे के राजनीतिक गुरु) ने हमारा नेतृत्व किया और उन्होंने मंदिर के निर्माण के लिए चांदी की एक ईंट भी दान में दी। राम मंदिर आस्था का विषय है, राजनीति का नहीं।'' उन्होंने कहा कि विपक्षी दल यह तंज कसा करते थे कि ''मंदिर वहीं बनाएंगे पर तारीख नहीं बताएंगे'' लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तारीख निर्धारित की और मंदिर अब श्रद्धालुओं के लिए खुल गया।

फर्जी निवेश घोटाले में फंसाकर 63.20 लाख रुपये ठगने का मामला दर्ज

मुंबई: चारकोप पुलिस ने हाल ही में चारकोप, कांदिवली के एक 33 वर्षीय व्यक्ति के खिलाफ अपने पूर्व शिक्षक को फर्जी निवेश घोटाले में फंसाकर 63.20 लाख रुपये ठगने का मामला दर्ज किया है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, मलाड पश्चिम में उत्कर्ष मंदिर हाई स्कूल में शिक्षक संजय पटोले और कांदिवली पश्चिम के चारकोप में रहते हैं, उनसे 2018 में उनके पूर्व छात्र किशोर मंचेकर ने संपर्क किया था और पटोले से अपने रिसॉर्ट और किराना व्यवसाय में निवेश करने के लिए कहा था, और अच्छा वादा किया था। रिटर्न और एक समृद्ध सेवानिवृत्ति।

पटोले ने 5 लाख रुपये सौंपे। 2020 में, पटोले ने क्रेडिट सोसायटी से 28 लाख रुपये का ऋण लिया और अपने बैंक ऑफ महाराष्ट्र खाते से 23.20 लाख रुपये मांचेकर के कॉसमॉस बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिए।बाद में, पटोले को एक फाइनेंस कंपनी से 25 लाख रुपये का ऋण लेने के लिए प्रेरित किया गया और माचेकर को 12.50 लाख रुपये दिए।

2023 में, माचेकर ने पटोले को सूचित किया कि उन्हें रिसॉर्ट के लिए ऋण के लिए एक गारंटर की आवश्यकता है और उन्होंने पटोले से सहायता का अनुरोध किया। पटोले ने बिना किसी संदेह के, सभी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराए। हालाँकि, मानसकर ने धोखे से पटोले को सूचित किए बिना एक्सिस बैंक और अन्य वित्त कंपनियों से उसके नाम पर 20 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। एक बैंक संदेश के माध्यम से इसका पता चलने पर, पटोले ने मांचेकर से बात की, जिन्होंने उन्हें आश्वस्त किया कि वह ईएमआई भुगतान का भुगतान करेंगे और धन हस्तांतरण का अनुरोध किया, जिसका पटोले ने अनुपालन किया। बाद में, मांचेकर ने किराने की दुकानें एक साथ शुरू करने के बहाने पटोले को अपना बायोमेट्रिक अंगूठा देने के लिए बरगलाया। माचेकर ने इसका उपयोग पटोले का घर तीन लोगों को भारी जमा राशि पर देने और 15 लाख रुपये प्राप्त करने के लिए किया। पैसे और बकाया ईएमआई के बारे में पटोले की लगातार पूछताछ के बावजूद, मांचेकर ने पैसे का भुगतान नहीं किया। 28 नवंबर 2023 को आरोपी अपने परिवार के साथ फरार हो गया. पटोले को बाद में पता चला कि मांचेकर ने तीन अन्य लोगों को भी धोखा दिया था। आखिरकार, पटोले ने भारतीय दंड संहिता की धारा 406 (विश्वास का उल्लंघन), और 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी) के तहत मामला दर्ज किया।

वीडियो अपलोड करने की धमकी... लाखों हड़पे

मुंबई: विक्रोली के पार्कसाइट में रहने वाले उत्तर प्रदेश के एक व्यक्ति को पुलिस ने शादी के बहाने एक महिला के साथ बलात्कार करने, उसकी सहमति के बिना उसके वीडियो शूट करने और सोशल नेटवर्किंग साइटों पर वीडियो अपलोड करने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। 29 वर्षीय आरोपी सुधीर तिवारी ने 8.5 लाख रुपये से अधिक, उसका लैपटॉप भी उधार लिया और वापस यूपी भाग गया जहां उसने दूसरी महिला से शादी कर ली।

मामला पहली बार 12 जनवरी को सामने आया जब पीड़िता और उसके परिवार ने तिवारी के खिलाफ अपराध दर्ज करने के लिए घाटकोपर पुलिस से संपर्क किया। विक्रोली के पार्कसाइट की रहने वाली पीड़िता के अनुसार, उसकी मुलाकात तिवारी से उनके पड़ोस में हुई थी।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८१ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com